P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-6* ISSUE-1* September- 2018
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

कांग्रेसवाद और गैर–कांग्रेसवाद की अवधारणा

योगेन्द्र सिंह
सहायक आचार्य,
राजनीति विज्ञान विभाग,
वीणा मेमोरियल पी.जी.कॉलेज,
करौली, राजस्थान

सारांश

कांग्रेसवाद और गैर कांग्रेसवाद एक ऐसी अवधारणा है। जो दलीय व्यवस्था पर आधारित है। कांग्रेसवाद, कांग्रेस पार्टी की सत्ता का प्रतिनिधित्व करती है। और गैर– कांग्रेसवाद विरोधी राजनीतिक दलों की सत्ता का प्रतिनिधित्व करती है। कांग्रेसवाद के अन्तर्गत देश की राजनीति व्यवस्था के बारे में बतलाया गया है। जिस कांग्रेस पार्टी का स्वतंत्रता प्राप्ति से लेकर 1975 तक एक छत्र शासन था जिसके विकल्प के रूप में गैर–कांग्रेसवाद का उदय हुआ। अर्थात जनता पार्टी का गठन हुआ। देश में पहलीवार गैर–कांग्रेसवाद की स्थापना हुई और 2014 के लोकसभा चुनाव में गैर–कांग्रेसवाद के रूप में भाजपा गठबंधन सरकार को 336 स्थान प्राप्त हुये जिसमें भाजपा की स्वयं की 282 शीटें प्राप्त हुई थीं और कांग्रेस मात्र 44 सीट पाकर सिमट गयी थी।

मुख्य शब्द : कांग्रेसवाद, गैर–कांग्रेसवाद, इन्दिरा गाँधी, लोकसभा, एन.डी.ए. यू.पी.ए. आदि।

प्रस्तावना

सन् 1885 में जिस राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना हुई। वह दिसम्बर, 1969 में विभाजन से पूर्व तक भारतीय राजनीतिक रंगमंच पर सबसे बडी शक्ति के रूप में कार्य करती रही पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और आन्तरिक गुटों में मतभेद भी बढ़ते रहे और दिसम्बर, 1969 में वह दो धडों में विभाजित हो गई। संगठन कांग्रेस तथा सत्ता कांग्रेस या इन्दिरा कांग्रेस। इन्दिरा कांग्रेस ने तेजी से लोकप्रियता हांसिल की और 1971 के मध्यावधि चुनावों में तो उसने लोकसभा की 518 में से 350 सीटे जीतकर अपना प्रचण्ड बहुमत स्थापित कर लिया। पिछले चुनावों की स्थिति इस प्रकार रही।

सन् 1952 में 489 में से 157 सीटे, सन् 1957 में 494 में से 371 सीटे, सन् 1962 में 494 में से 361 सीटें, सन् 1967 में 523 में से 283 सीटें और वोट प्रतिशत इस प्रकार रहा– सन् 1952 में 45 प्रतिशत, सन् 1957 में 43.83 प्रतिशत, सन् 1962 में 43.61 प्रतिशत, सन् 1967 में 40.73 प्रतिशत, सन् 1971 में 40.64 प्रतिशत

25 जून, 1975 के आपात उद्घोषणा और फिर प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी के 20 सूत्रीय आर्थिक कार्यक्रम के विन्यास के बाद तेजी से निरकुंशता के मार्ग पर बढ़ता गया। लोकसभा के चुनाव जो मार्च 1976 में होने थे, एक वर्ष के लिए आगे सरका दिये। सन् 1977 में इन्दिरा गाँधी ने एकाएक ही लोकसभा चुनाव कराने की घोषणा कर दी। इन्दिरा गाँधी को यह विश्वास था कि विरोधी दल इतने कुचले जा चुके हैं और जनता भी इतनी भयाकान्त है कि कांग्रेस की एकाधिकारी स्थिति पर कोई आँच नहीं आयेगी।

एक दलीय प्रमुख व्यवस्था का प्रभाव

बहुदलीय व्यवथा के बावजूद भारत में चौथे आम चुनाव के बाद कुछ समय को छोडकर एकदलीय प्रभुत्व व्याप्त रहा जिसकी समाप्ति मार्च 1977 के ऐतिहासिक आम चुनावों में हुई। इन चुनावों से पूर्व केन्द्र में तो कांग्रेस दल निरन्तर शासन रहा। राज्यों में कभी–कभी गैर–कांग्रेसी सरकारें बनी और संविद सरकारों का भी बोलबाला रहा। सन् 1967 के चुनावों के पूर्व राज्य राजनीति का एक स्तंभ रहा। दूसरा स्वरूप 1967 के चुनावों के उपरान्त उभरा और तब मार्च, 1971 के मध्यावधि लोकसभायी चुनावों ने तीसरा नया नक्शा प्रस्तुत किया। 1967 के चौथे आम चुनावों से पूर्व केन्द्र और राज्यों में कांग्रेस का प्रचण्ड बहुमत था ओर नेहरू सर्वमान्य नेतृत्व देश पर छाया रहा। उस समय राज्य सरकारों की स्थिति, केन्द्र की तुलना में कमजोर और नगण्य सी रही। लालबहादुर शास्त्री और तत्पश्चात् इंदिरा गाँधी के प्रधान नेतृत्व के प्रारंभिक वर्षों में केन्द्र उतना सबल नहीं रह सका। राज्य उभरे, मुख्यमंत्री और अधिक महत्त्वपूर्ण हो गए। सन् 1967 के आम चुनाव कांग्रेस के भीतर चल रहे सत्ता संघर्ष के कारण, कांग्रेस के

लिए दुःखदायी रहे। केन्द्र में सत्तारूढ कांग्रेस की शक्ति दुर्बल हो गई और बहुत से राज्यों में उसकी कुर्सी छिन गयी। राज्यों में गैर–कांग्रेसी सरकारों ने अपने मसलों पर केन्द्र के साथ सहयोग करने से इन्कार कर दिया। केन्द्र में कांग्रेस को प्रबल बहुमत मिला और इन्दिरा गाँधी सर्वमान्य नेता के रूप में उभरी। तत्पश्चात् राज्यों में चुनाव हुए और गैर–कांग्रेसी सरकारें धराशायी हो गयी। संयुक्त सरकारों को जनता ने ठुकरा दिया। शक्ति के मद में आकर कांग्रेस दल लोकतांत्रिक आवरण से दूर होता गया। 23 जून, 1975 में आपातकाल की आड़ में भारत की जनता पर तानाशाही थोप दी गई और मार्च 1977 में चुनावों ने इस तानाशाही को समाप्त कर जनता पार्टी को सत्तारूढ़ कर दिया।

1977 का मध्यावधि चुनाव और जनता सरकार की स्थापना

1977 के चुनाव में जनसंघ, भारतीय लोकदल, समाजवादी पार्टी और संगठन कांग्रेस ने मिलकर जनता पार्टी का गठन किया और लोकसभा का चुनाव लडा। इस चुनाव के परिणामों ने विश्व के सभी देशा को चौंका दिया। लोकसभा के कुल 542 स्थानों में से कांग्रेस की केवल 154 स्थान प्राप्त हुए और जनता पार्टी व सीएफडी को 295 स्थान प्राप्त हुए।

1980 का लोकसभा चुनाव कांग्रोस (आई) सरकार की स्थापना

1980 के इस मध्यावधि में जिस 527 स्थानों के लिए चुनाव हुआ। उसमें कांग्रेस (आई) को 352 स्थान प्राप्त हुए। जो कुल स्थानों का 66.79 प्रतिशत था।

1984 का लोकसभा चुनाव और कांग्रेस (आई) सरकार की स्थापना

दिसम्बर 1984 में 508 निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव सम्पन्न हुए सात स्थानों के लिए जनवरी 1985 में चुनाव हुए। इस चुनाव में इन्दिरा कांग्रेस को 515 स्थानों में से 405 स्थान प्राप्त हुए जो कि कुल स्थानों का लगभग 80 प्रतिशत स्थानों के लगभग था।

1989 का लोकसभा चुना

1989 के चुनाव में कांग्रेस पार्टी को सबसे अधिक क्षति उठानी पड़ी, लोकसभा में इनकी सदस्य संख्या आठवीं लोकसभा की तुलना में आधे से भी कम हो गई और मतों का प्रतिशत भी 10 प्रतिशत से कम हो गया। 1989 के चुनाव में किसी भी राजनीतिक दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला कांग्रेस पार्टी 197 सीटे जीतकर लोकसभा में सबसे बडे राजनीतिक दल के रूप में आई। कांग्रेस ने किसी अन्य दल के सहयोग से सरकार बनाने से इंकार किया था।

1991 का लोकसभा चुनाव

इस चुनाव में कांग्रेस दल को मिलने वाले मतों का प्रतिशत तो घटा किन्तु लोकसभा में लगभग 7 प्रतिशत अधिक स्थान मिले कांग्रेस को 521 स्थान में से 232 स्थान मिले।

1996 का लोकसभा चुनाव

इस चुनाव में 538 स्थान में से कांग्रेस 141 स्थान प्राप्त करके दूसरे स्थान पर रही यह उल्लेखनीय है कि 1989 के चुनाव से भाजपा की शक्ति लगातार बढ़ती गई।

1998 का लोकसभा चुनाव

इस चुनाव परिणाम से यह स्पष्ट होता है कि 1998 के चुनाव में भाजपा की संख्या 161 (1996) से बढकर 179 हो गई लेकिन कांग्रेस की स्थिति 1996 जैसी रही बल्कि उसे एक सीट का लाभ हुआ।

1999 का लोकसभा चुनाव

अनुमान के बिल्कुल विघटित इस चुनाव में कांग्रेस पार्टी को भारी क्षति पहुँची 1998 के चुनाव में कांग्रेस को 141 स्थान मिले थे। जबकि 1999 में उसकी संख्या घटकर 114 हो गई।

2004 का लोकसभा चुनाव

इस चुनाव में 543 स्थानों में से सबसे ज्यादा सीटे (218) कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन को तथा 187 सीटे राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को मिली।

2009 का लोकसभा चुनाव

इस चुनाव में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (कांग्रेस) को 543 स्थानों मेंसे 262 स्थान मिले जबकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (भाजपा) को 159 स्थान मिले।

2014 का लोकसभा चुनाव

इस चुनाव में 543 स्थानों में से सबसे ज्यादा सीटे (282) भारतीय जनता पार्टी को मिली तथा कांग्रेस 44 सीटों पर सिमट कर रह गयी।

शोध का उद्देश्य

इस शोध पत्र का मुख्य उद्देश्य यह जानना है कि स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् 1975 तक कांग्रेसवाद की अवधारणा चल रही थी उसके विकल्प के रूप में गैर–कांग्रेसवाद अवधारणा की शुरूआत किन परिस्थितियों में हुई। वर्तमान कांग्रेसवाद एवं गैर–कांग्रेसवाद संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन एवं राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के रूप में है। इसके माध्यम से 1975 से लेकर 2014 तक के लोकसभा चुनावों के सभी पार्टियों के परिणामों को बताया गया है। किस पार्टी को कितने वोट मिले और मत प्रतिशत कितना रहा एवं जनता पार्टी के निर्माण की परिस्थितियां एवं संविद सरकारों के निर्माण की परिस्थितियों को जानने का प्रयास किया गया है।

साहित्यावलोकन

रॉय, एम.पी., ''भारतीय सरकार एवं राजनीति' 1980 पृष्ठ संख्या–686 में सन् 1977 के लोकसभा चुनाव कराने की घोषणा इन्दिरा गाँधी द्वारा की गई। इन्दिरा गाँधी को यह विश्वास था कि विरोधी दल इतने कुचले जा चुके हैं और जनता भी इतनी भयाक्रान्त है कि कांग्रेस की एकाधिकारी स्थिति पर कोई आँच नहीं आवेगी।

चतुर्वेदी, गीता, 'भारतीय राजनीतिक व्यवस्था', पंचशील प्रकाशन, जयपुर, 2010, पृष्ठ–382 में 1999 में भारतीय जनता जनता पार्टी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का गठन किया। भाजपा सहित गठबंधन के भागीदार दलों ने अपने अलग–2 घोषणा पत्र जारी करने के बजाय 'राजग' के घोषणा–पत्र के आधार पर 13वीं लोकसभा का चुनाव लडा। घोषणा पत्र में भूख, भय और भ्रष्टाचार से मुक्त सुदृढ भारत बनाने का संकल्प

लिया गया। घोषणा पत्र में राष्ट्रीय सुरक्षा, राष्ट्रीय पुनर्निर्माण, गतिशील कूटनीति, संकीय समरसता, आर्थिक आधुनिकीकरण, सेक्यूलरवाद, सामाजिक न्याय और शुचिता इन आठ बिन्दुओं पर विशेष जोर दिया गया।

पाण्डेय, डॉ. जयनारायण, ''भारत का संविधान'' सेन्ट्रल लो एजेन्सी इलाहाबाद, 2012 पृष्ठ संख्या–449, में 2004 के संसदीय चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन पराजित हो गया और कई राजनीतिक दलों के गठबंधन जिसमें कांग्रेस, कम्युनिष्ठ, लोजपा, राजद, डी.एम.के. आदि पार्टिया शामिल थीं को विजय मिली। इन दलों ने चुनाव के पश्चात् एक गठबंधन बनाया। भाजपा गठबंधन 138, कांग्रेस 143, साम्यवादी 61, राजद 23, लोजपा 5, समाजवादी 39 और अन्य डी.एम.के. और स्वतंत्र इन दलों ने संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन के नाम से एक गठबंधन बनाया।

इन्द्रजीत, ''पॉलिटिकल होलोस्ट्री' द टाइम्स ऑफ इण्डिया'' 1996, पृष्ठ संख्या 12 में बताया गया है कि अनुशासनबद्ध समझे जाने वाले साम्यवादी दल तथा भाजपा भी इसका अपवाद नहीं है। वस्तुतः दल–बदल कानून को सरल बनाना आवश्यक है। यदि कोई दल बदलना चाहता है तो उसे जनता से सीधे अधिकार प्राप्त होने चाहिए।

दैनिक भाष्कर, 28 जुलाई, 2018 के पृष्ठ संख्या–11 में 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की रणीनीति जहाँ 250–275 सीटों पर लडने की है। वहाँ भाजपा ने 450 से 480 सीटों पर चुनाव लडने का लक्ष्य तय किया है। पार्टी हाईकमान का स्पष्ट निर्देश है कि भाजपा कहीं भी टीम 'बी' बनकर नहीं लडेगी यानि जहाँ गठबंधन की सरकार है। वहां पार्टी से ज्यादा या बराबर सीटों पर लडेगी। पार्टी कार्यकर्ता इसी सोच के साथ लोकसभा चुनाव की तैयारी करेंगे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमितशाह ने भी पार्टी पदाधिकारियों के साथ हाल में ही बैठक में स्पष्ट किया है कि 450 से 480 सीटों पर चुनाव लडा जाना है। अरूणसिंह, राष्ट्रीय महासचिव, भाजपा ने कहा है कि पार्टी अधिक से अधिक सीटों पर काम कर रही है। सहयोगी दलों के साथ सम्मानजनक समझौता करेंगे। एन.डी.ए. के घटक दलों की संख्या भी कम न हो यह भी प्रयास किया जा रहा है आदि रणनितियों के बारें में बतलाया गया है।

शोधकार्य प्रणाली एवं शोध प्रविधि

शोध पत्र की शोध पद्धति विश्लेषणात्मक एवं विवेचनात्मक है और इस शोध पत्र को पूर्ण करने के लिए प्राथमिक आँकडे एवं द्वितीयक आँकडे लिए गए हैं। इस शोध पत्र के लिए आँकडे और सूचनाओं का संग्रह विभिन्न माध्यमों की सहायता से किया गया है– जिनमें प्रमुख रूप से हैं–

1. विभिन्न लेखकों की पुस्तकें
2. समाचार पत्र
3. ई–जर्नल
4. 1977 से 2014 तक भारत के लोकसभा चुनाव निर्वाचनों की रिपोर्ट
5. पत्र–पत्रिकाओं में प्रकाशित होने वाले कांग्रेसवाद एवं गैर–कांग्रेसवाद से संबंधित लेख।

विश्लेषण एवं तथ्य प्रक्षेप

सन 1977 का लोकसभा चुनाव (6वीं लोकसभा)

राजनीतिक दल	कुल प्राप्त स्थान	प्राप्त स्थानों का प्रतिशत	प्राप्त मतों का प्रतिशत
1	2	3	4
कांग्रेस (आई)	154	28.41	34.52
भारतीय लोकदल	295	54.43	41.32
कम्युनिष्ट पार्टी ऑफ इण्डिया	7	1.29	2.82
कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी)	22	4.06	4.29
कांग्रेस (संगठन)	3	0.55	1.72
राज्य राजनीतिक दल	49	9.04	8.81
रजिस्टर्ड राजनीतिक दल	3	0.55	1.02
निर्दलयी	9	1.67	5.50
योग	542	100.00	100.00

स्रोत – (भारत के लोकसभा के छठे साधारण निर्वाचन की रिपोर्ट' भारत चुनाव आयोग, नई दिल्ली।

सन 1980 का लोकसभा चुनाव (7वीं लोकसभा)

राजनीतिक दल	कुल प्राप्त स्थान	प्राप्त स्थानों का प्रतिशत	प्राप्त मतों का प्रतिशत
1	2	3	4
कांग्रेस (आई)	352	66.79	42.68
कांग्रेस (अर्स)	13	2.47	5.29
जनता पार्टी	31	5.88	18.93
जनता पार्टी (सेक्युलर)	41	7.78	9.42
कम्यूनिस्ट पार्टी ऑफ इण्डिया	11	2.09	2.59
कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी)	36	6.83	6.16
राज्य राजनीतिक दल	34	6.45	7.69
रजिस्टर्ड राजनीतिक दल	01	0.19	0.82

निर्दलयी	08	1.52	6.42
योग	527	100.00	100.00

स्रोत – (भारत के लोकसभा के सातवीं साधारण निर्वाचन की रिपोर्ट' भारत चुनाव आयोग, नई दिल्ली।

सन 1984–85 का लोकसभा चुनाव (8वीं लोकसभा)

राजनीतिक दल	कुल प्राप्त स्थान	प्राप्त स्थानों का प्रतिशत	प्राप्त मतों का प्रतिशत
1	2	3	4
कांग्रेस (आई)	405	78.64	49.10 51.90
कांग्रेस (सोशलिस्ट)	4	0.78	1.52
जनता पार्टी	10	.94	6.89
भारतीय जनता पार्टी	2	0.39	7.74
लोकदल	3	0.58	5.97
कम्यूनिस्ट पार्टी ऑफ इण्डिया	6	1.16	2.71
कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी)	22	4.27	5.87
राज्य राजनीतिक दल	58	11.27	11.56
रजिस्टर्ड राजनीतिक दल	–	–	0.72
निर्दलयी	0.5	0.97	7.92
योग	515	100.00	100.00

स्रोत – (भारत के लोकसभा के आठवें साधारण निर्वाचन की रिपोर्ट' भारत चुनाव आयोग, नई दिल्ली।

सन 1989 का लोकसभा चुनाव (9वीं लोकसभा)

राजनीतिक दल	कुल प्राप्त स्थान	प्राप्त स्थानों का प्रतिशत	प्राप्त मतों का प्रतिशत
1	2	3	4
अ–राष्ट्रीय दल			
कांग्रेस	197	37.24	39.53
जनता दल	143	27.03	17.79
भारतीय जनता पार्टी	85	16.07	11.36
साम्यवादी	12	2.27	2.57
साम्यवादी (मार्क्सवादी)	33	6.24	6.55
कांग्रेस समाजवादी	1	0.19	0.33
जनता पार्टी	–	–	1.01
लोकदल (बी)	–	–	0.20
ब–राज्य दल	27	5.10	9.28
स– रजिस्टर्ड दल	19	3.59	6.13
द– निर्दलीय	12	2.27	5.25
योग	515	100.00	100.00

स्रोत – (भारत के लोकसभा के 9वें साधारण निर्वाचन की रिपोर्ट' भारत चुनाव आयोग, नई दिल्ली।

सन 1991 का लोकसभा चुनाव (10वीं लोकसभा)

राजनीतिक दल	कुल प्राप्त स्थान	प्राप्त स्थानों का प्रतिशत	प्राप्त मतों का प्रतिशत
1	2	3	4
अ–राष्ट्रीय दल			
कांग्रेस	232	44.53	36.50
भारतीय जनता पार्टी	120	23.03	20.08
साम्यवादी	14	2.69	2.49
साम्यवादी (मार्क्सवादी)	35	6.72	6.10
कांग्रेस सोशलिस्ट	01	0.19	0.36
जनता दल	59	11.32	11.88
जनता दल (एस)	–	0.00	0.08
जनता पार्टी	05	0.96	3.30
लोक दल	–	0.00	0.06
ब–राज्य दल	50	9.61	12.98
स– रजिस्टर्ड दल	04	0.56	2.19

द– निर्दलीय	01	0.19	3.92
योग	521	100.00	100.00

स्रोत – (भारत के लोकसभा के 10वें साधारण निर्वाचन की रिपोर्ट' भारत चुनाव आयोग, नई दिल्ली।

सन 1996 का लोकसभा चुनाव (11वीं लोकसभा)

राजनीतिक दल	कुल प्राप्त स्थान	प्राप्त स्थानों का प्रतिशत	प्राप्त मतों का प्रतिशत
1	2	3	4
अ–राष्ट्रीय दल			
भारतीय जनता पार्टी	161	29.65	20.29
कांग्रेस	140	25.78	28.80
जनता दल	46	8.74	8.08
साम्यवादी	12	2.20	1.97
साम्यवादी (मार्क्सवादी	32	5.80	6.12
समता पार्टी	08	1.47	2.17
ऑल इण्डिया इन्दिरा कांग्रेस (तिवारी)	04	0.74	1.46
जनता पार्टी	00	0.00	0.19
ब–राज्य राजनीतिक दल	127	23.38	21.34
स– रजिस्टर्ड दल	04	0.73	3.29
द– निर्दलीय	09	1.65	6.28
योग	538	100.00	100.00

स्रोत – (भारत के लोकसभा के 11वें साधारण निर्वाचन की रिपोर्ट' भारत चुनाव आयोग, नई दिल्ली।

सन 1998 का लोकसभा चुनाव (12वीं लोकसभा)

राजनीतिक दल	कुल प्राप्त स्थान	प्राप्त स्थानों का प्रतिशत	प्राप्त मतों का प्रतिशत
1	2	3	4
अ–राष्ट्रीय दल			
भारतीय जनता पार्टी	179	32.96	25.38
कांग्रेस	141	25.96	25.72
साम्यवादी (मार्क्सवादी)	32	5.89	5.21
समता पार्टी	12	2.20	1.77
साम्यवादी दल	09	1.65	1.74
जनता दल	06	1.10	3.20
बहुजन समाज पार्टी	05	0.92	4.66
ब–राज्य दल	97	17.86	18.21
स– रजिस्टर्ड दल	58	10.68	9.62
द– निर्दलीय	04	0.73	2.22
योग	543	100.00	100.00

स्रोत – (भारत के लोकसभा के 12वें साधारण निर्वाचन की रिपोर्ट' भारत चुनाव आयोग, नई दिल्ली।

सन 1999 का लोकसभा चुनाव (13वीं लोकसभा)

राजनीतिक दल	कुल प्राप्त स्थान	प्राप्त स्थानों का प्रतिशत	प्राप्त मतों का प्रतिशत
1	2	3	4
अ–राष्ट्रीय दल			
भारतीय जनता पार्टी	182	33.51	23.75
बहुजन समाज पार्टी	14	2.57	4.16
भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी	04	0.73	1.48
कम्युनिसट पार्टी (मार्क्स)	33	6.72	5.40
इण्डियन नेशनल कांग्रेस	114	20.99	28.30
जनता दल (एस)	01	0.18	0.91
जनता दल (अर्स)	21	3.86	3.10
ब–राज्य राजनीतिक दल	158	29.09	26.93
स– रजिस्टर्ड दल	10	1.84	3.22
द– निर्दलीय	06	1.10	2.74

योग	543	100.00	100.00

स्रोत – (भारत के लोकसभा के 13वें साधारण निर्वाचन की रिपोर्ट' भारत चुनाव आयोग, नई दिल्ली।

सन 2004 का लोकसभा चुनाव (14वीं लोकसभा)

राजनीतिक दल	कुल प्राप्त स्थान	प्राप्त स्थानों का प्रतिशत	प्राप्त मतों का प्रतिशत
1	2	3	4
अ–राष्ट्रीय दल			
इंडियन नेशनल कांग्रेस	145		26.69
भारतीय जनता पार्टी	138		22.16
कम्यूनिस्ट पार्टी (मार्क्स)	43		5.69
कम्यूनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया	10		1.40
बहुजन समाज पार्टी	19		5.35
राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी	09		1.78
ब–राज्य स्तरीय दल	156		28.77
स– रजिस्टर्ड दल	15		3.97
द– निर्दलीय	04		4.18
योग	539		

स्रोत – (भारत के लोकसभा के 14वीं साधारण निर्वाचन की रिपोर्ट' भारत चुनाव आयोग, नई दिल्ली।

सन 2009 का लोकसभा चुनाव (15वीं लोकसभा)

राजनीतिक दल	कुल प्राप्त स्थान
1	2
1. यू.पी.ए.	262
2. एन.डी.ए.	159
3. वामपंथी–तीसरा फ्रन्ट	79
4. चौथा फ्रन्ट – (सपा, राजद तथा अन्य)	43
योग	543

स्रोत – (भारत के लोकसभा के 15वीं साधारण निर्वाचन की रिपोर्ट' भारत चुनाव आयोग, नई दिल्ली।

सन 2014 का लोकसभा चुनाव (16वीं लोकसभा)

2014 के लोकसभा चुनाव में विभिन्न गठबंधनों का निष्पादन निम्न प्रकार रहा

राजनीतिक दल	कुल प्राप्त स्थान
1. राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन	336
2. संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन	60
3. अन्य	143
योग	539

स्रोत – (भारत के लोकसभा के 1वीं साधारण निर्वाचन की रिपोर्ट' भारत चुनाव आयोग, नई दिल्ली।

निष्कर्ष

अतः निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है। आजादी के पश्चात् देश में कांग्रेसवाद की अवधारणा थी। लेकिन 1975 को आपातकाल से अनेक परिस्थितियों का जन्म हुआ और परिस्थितियों के फलस्वरूप गैर–कांग्रेस की अवधारणा विकसित हो गयी। जिस कांग्रेस पार्टी का आजादी के पश्चात् 1975 तक एकक्षत्र शासन था। आज वह संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन के रूप में भी पूर्ण बहुमत प्राप्त नहीं कर सकी। विभिन्न लोकसभा चुनावों में उसकी स्थिति क्षीण होती गई और 2014 के लोकसभा चुनाव में मात्र 44 शीट प्राप्त कर कांग्रेस पार्टी को संतोष करना पडा।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. *राय, एम.पी., 'भारतीय सरकार एवं राजनीति', कॉलेज बुक डिपो, जयपुर, 1980.*
2. *भारत के लोकसभा के छठे साधारण निर्वाचनों की रिपोर्ट'', भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली।*
3. *भारत के लोकसभा के 7वें निर्वाचनों की रिपोर्ट, 'भारत निर्वाचन आयोग', नई दिल्ली।*
4. *भारत में लोकसभा के 8वें निर्वाचनों की रिपोर्ट। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली।*
5. *सईद, प्रो. एस.एम., 'भारतीय राजनीतिक व्यवस्था', भारत बुक सेन्टर, लखनऊ, 2009.*
6. *चतुर्वेदी, गीता, 'भारतीय राजनीतिक व्यवस्था', पंचशील प्रकाशन, जयपुर, 2010.*
7. *इन्द्रजीत, 'पॉलिटिकल होलोस्ट्री', द टाइम्स ऑफ इण्डिया'', 1996.*
8. *पाण्डेय, डॉ. जयनारायण, 'भारत का संविधान' सेन्ट्रल ला एजेन्सी, इलाहाबाद, 2012.*
9. *दैनिक भाष्कर, 28 जुलाई 2018.*